उत्पत्ति 49

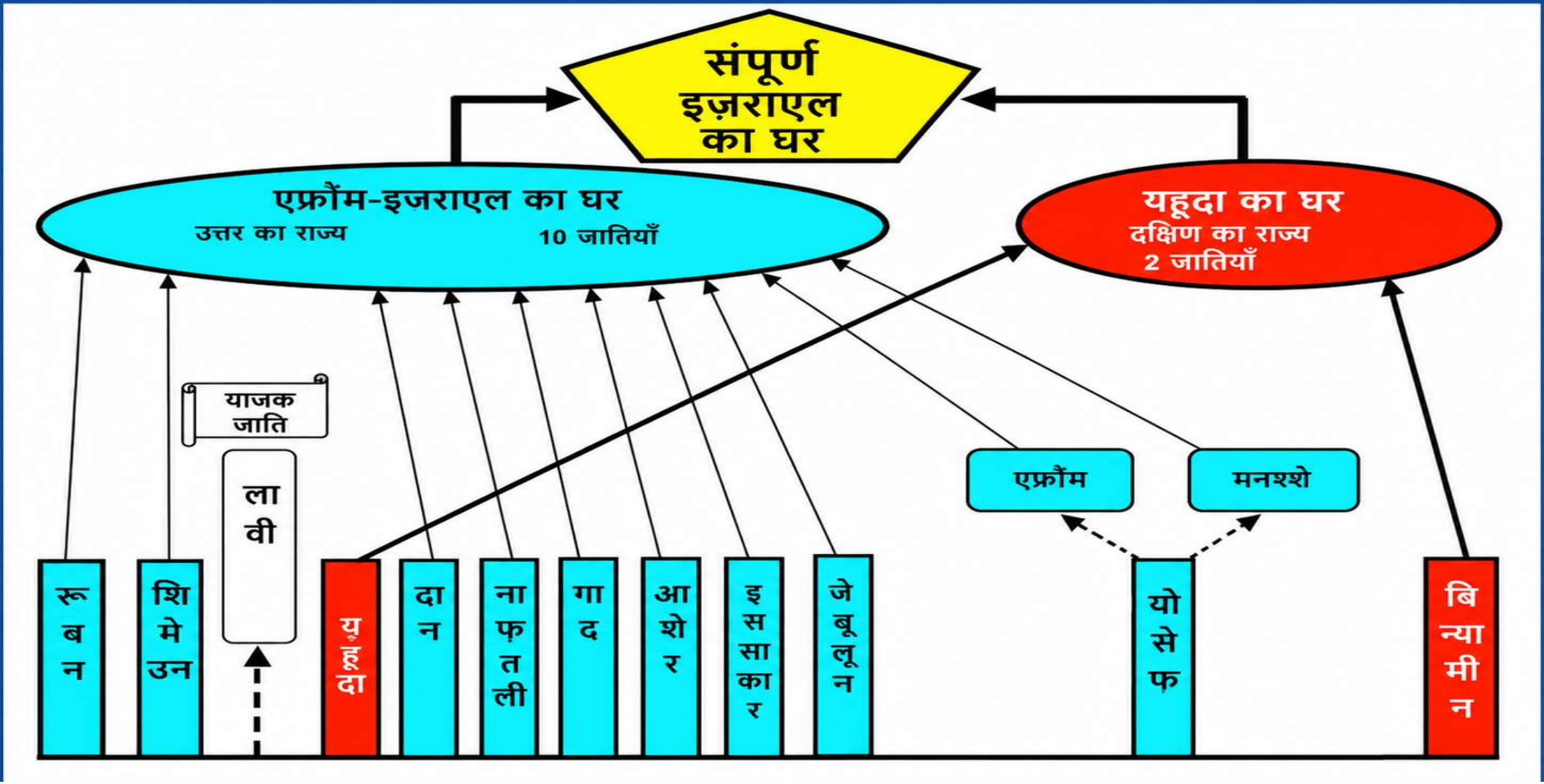
संपूर्ण इज़राएल का घर
एफ्रौम-इजराएल का घर
उत्तर का राज्य
10 जातियाँ
यहूदा का घर
दक्षिण का राज्य
2 जातियाँ
याजक जाति
ला वी
एफ्रौम
मनश्शे
रू ब न
शि मे उन
यहूदा
दा न
ना फ्त ली
गा द
आ शे र
इ स सा का र
जे बू लू न
यो से फ
बि न्या मी न

जबूलून

- व्यापारी और सौदागर।
- गलील की झील और भूमध्य सागर के बीच भूमि का पुल।
- वाया मैरिस जबूलून के क्षेत्र से होकर गुजरती थी।
- बाइबिल जबूलून को अच्छे प्रकाश में चित्रित करती है।

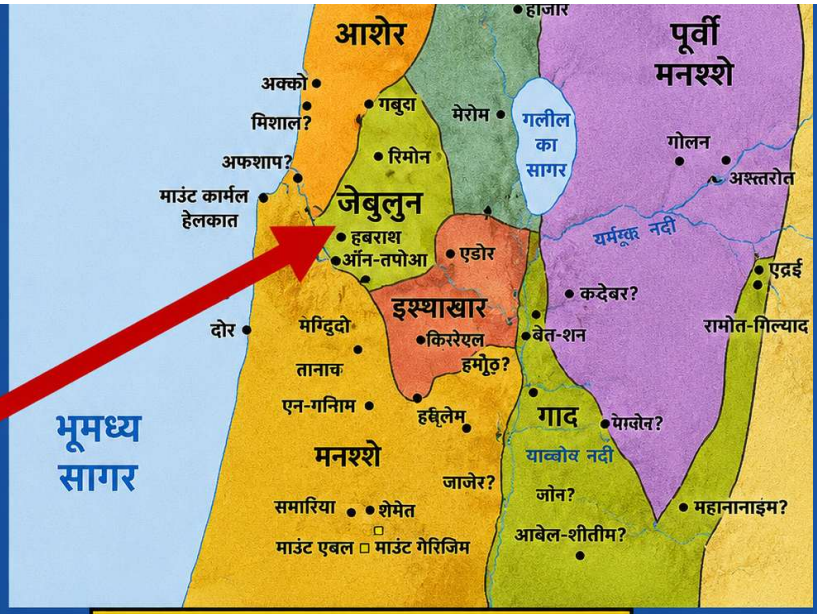

इस्साकार

- इस्साकार के विषय में लगभग कुछ भी नहीं कहा गया है।
- यहूदी विद्वानों ने इस्साकार के विषय में अच्छे बातें खोजने का प्रयास किया।
- उन्हें महान तोराह के विद्वान बताया गया।
- किंवदंती: जबूलून व्यापारी था ताकि इस्साकार को अध्ययन के लिए धन मिले और उसे काम न करना पड़े!
- इस्साकार को "गधा" कहना अपमानजनक नहीं है।

बारह पुत्रों में श्रेष्ठता का क्रम

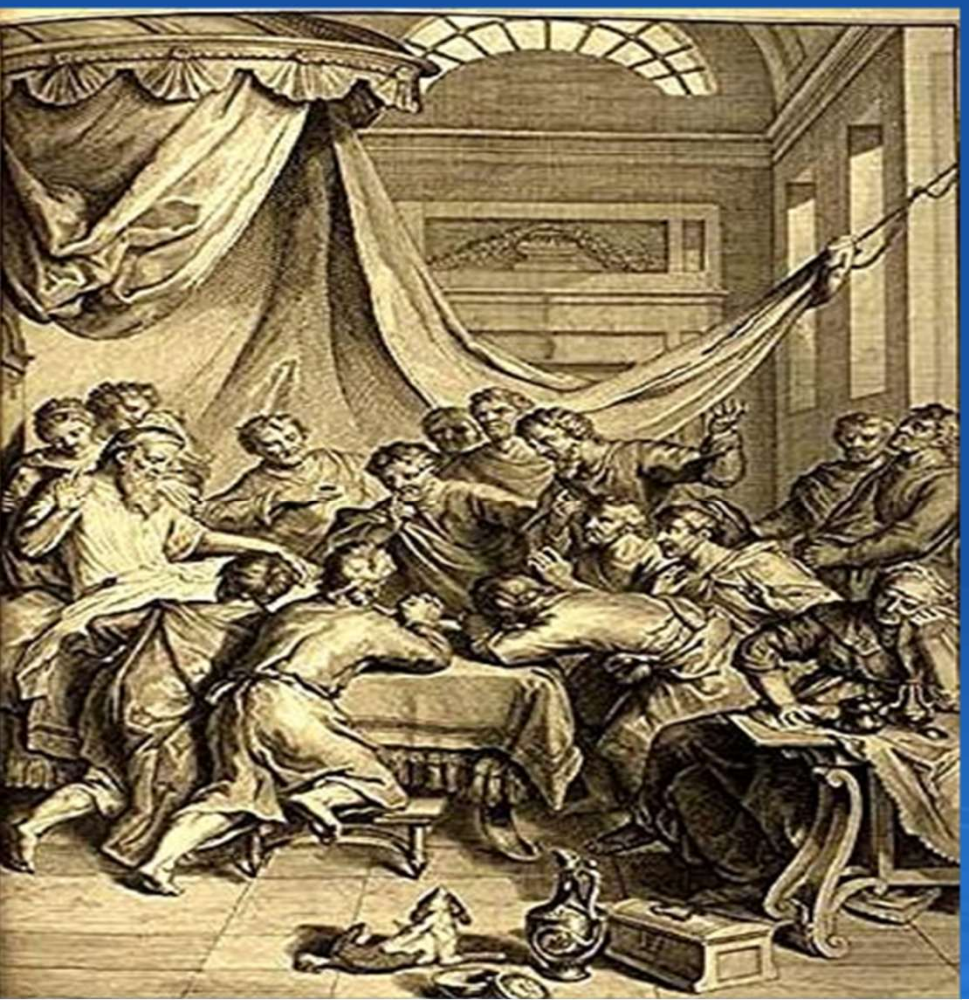

- याकूब की उपपत्नियों के चार पुत्रों को लेआ और राहेल के पुत्रों द्वारा कम सम्मान दिया जाता था।
- कोई संकेत नहीं कि याकूब उन चार पुत्रों को अपने अन्य पुत्रों से कम समझता था।
- अपवाद यूसुफ था।

दान

- दान का अर्थ है “न्याय किया गया”।
- बिलहा, उपपत्नी, दान की माता थी।
- राहेल ने अपने बाँझ गर्भ के कारण परमेश्वर द्वारा “न्याय किया गया” अनुभव किया।

- दान की बटुक से शिमशोन आया।
- शोफेट = न्यायाधीश
- शिमशोन अपनी बटुक का उद्धारकर्ता था।
- फिलिस्तीन यूनानी भाषा में फिलिस्ती का नाम है।

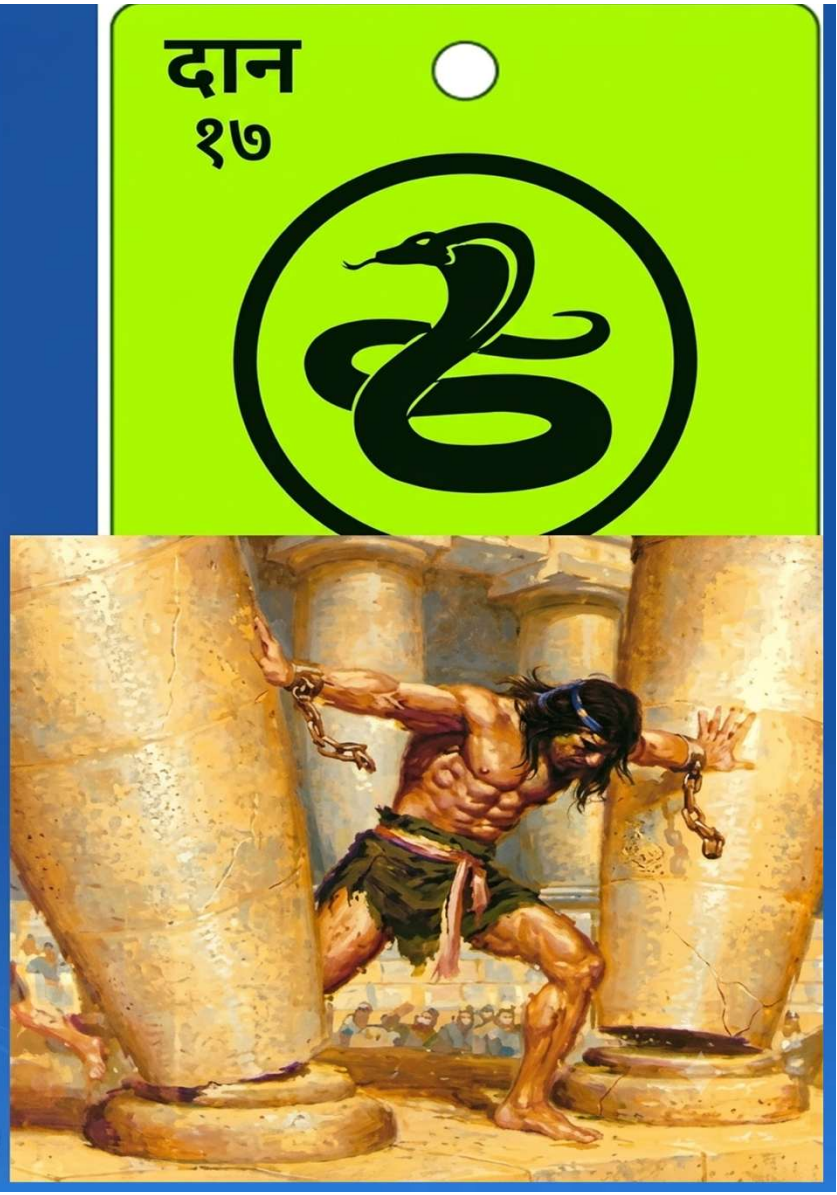

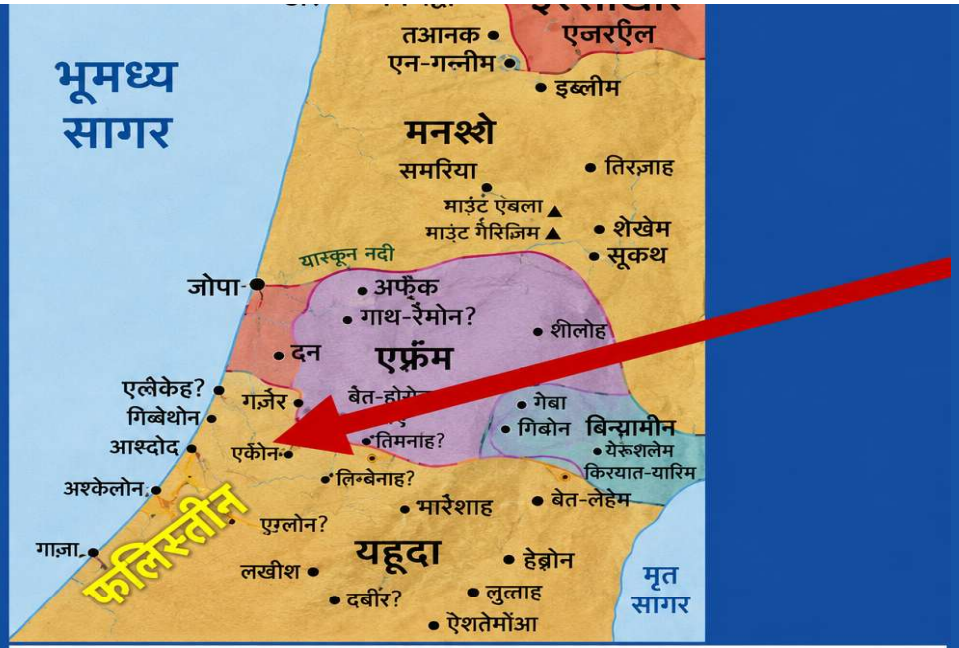

फिलिस्ती

- दान की सीमा फिलिस्तियों की भूमि से लगती थी।
- दान अन्ततः अपनी भूमि छोड़कर उत्तर की ओर चला गया।
- उन्होंने लैश को जीतकर उसका नाम दान रख दिया।
- उन्होंने बछड़े की पूजा स्थापित की।
- दान की बटुक का आकार घट गया।
- प्रकाशितवाक्य ७ और १ इतिहास की बटुकी सूची में यह गायब है।

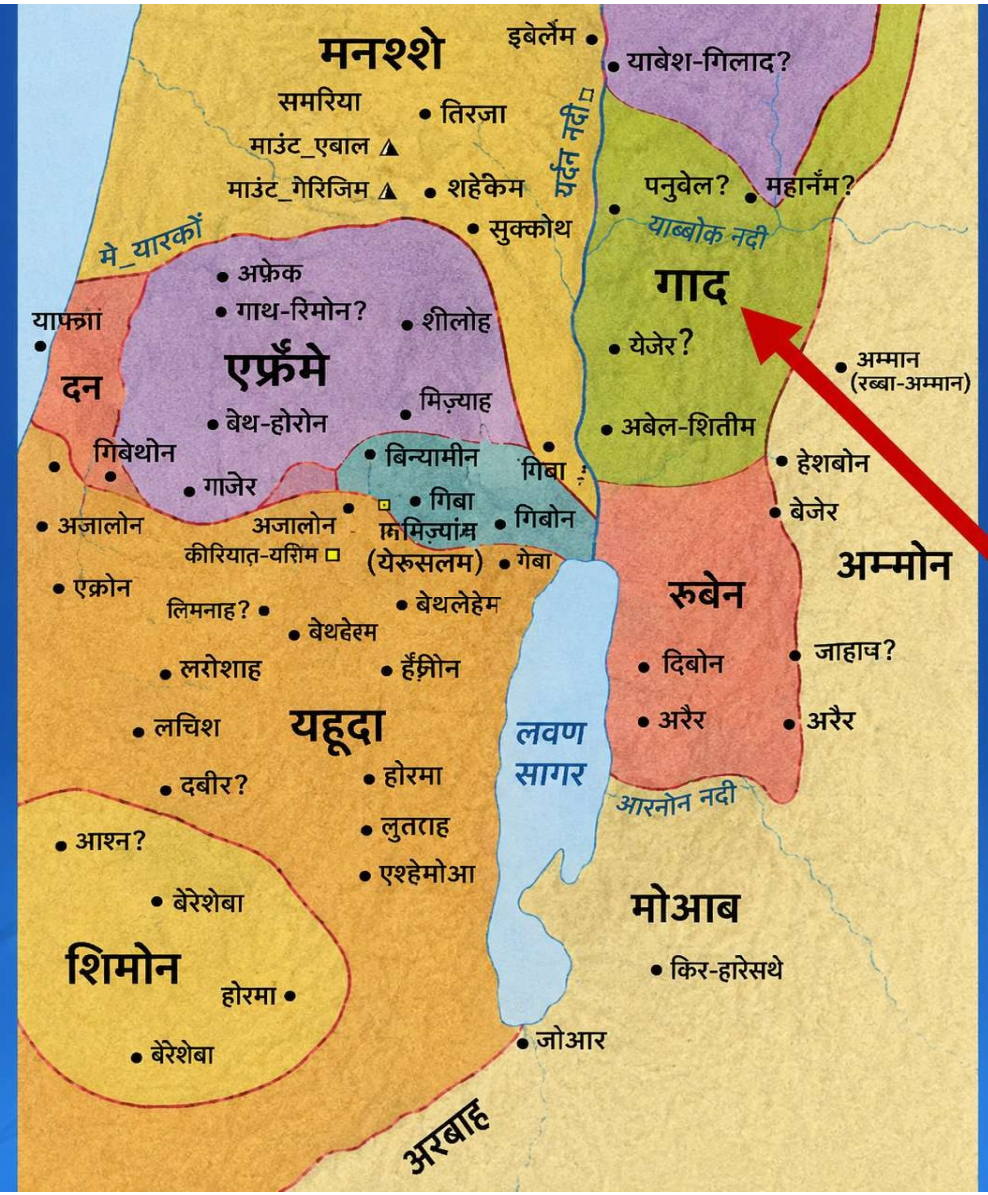

गाद

- उपपत्नी का पुत्र।
- भविष्यवाणी वाली “आशीष” कहती है कि गाद निरन्तर आक्रमण के अधीन रहेगा।
- यर्दन के पूर्व की ओर स्थित।
- मोआब और अम्मोन से युद्ध किया।
- गिलाद वही स्थान है जहाँ गाद था।

न्याय किया गया

- हिब्रू एक “मूल-शब्द” भाषा है।
- दिन = न्याय करना, दण्ड, प्रतिकार
- दान = न्याय किया गया, वही मूल अर्थ
- शोफेट = न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, नेता
- दान का नाम ही उसका भाग्य था।
- दान पर अनेक विपत्तियाँ आईं।

अशेर

- अर्थ “सुखी”।
- बहुत उपजाऊ भूमि पर रहता था।
- अशेर ने सैन्य संघर्षों से बचने का प्रयास किया।

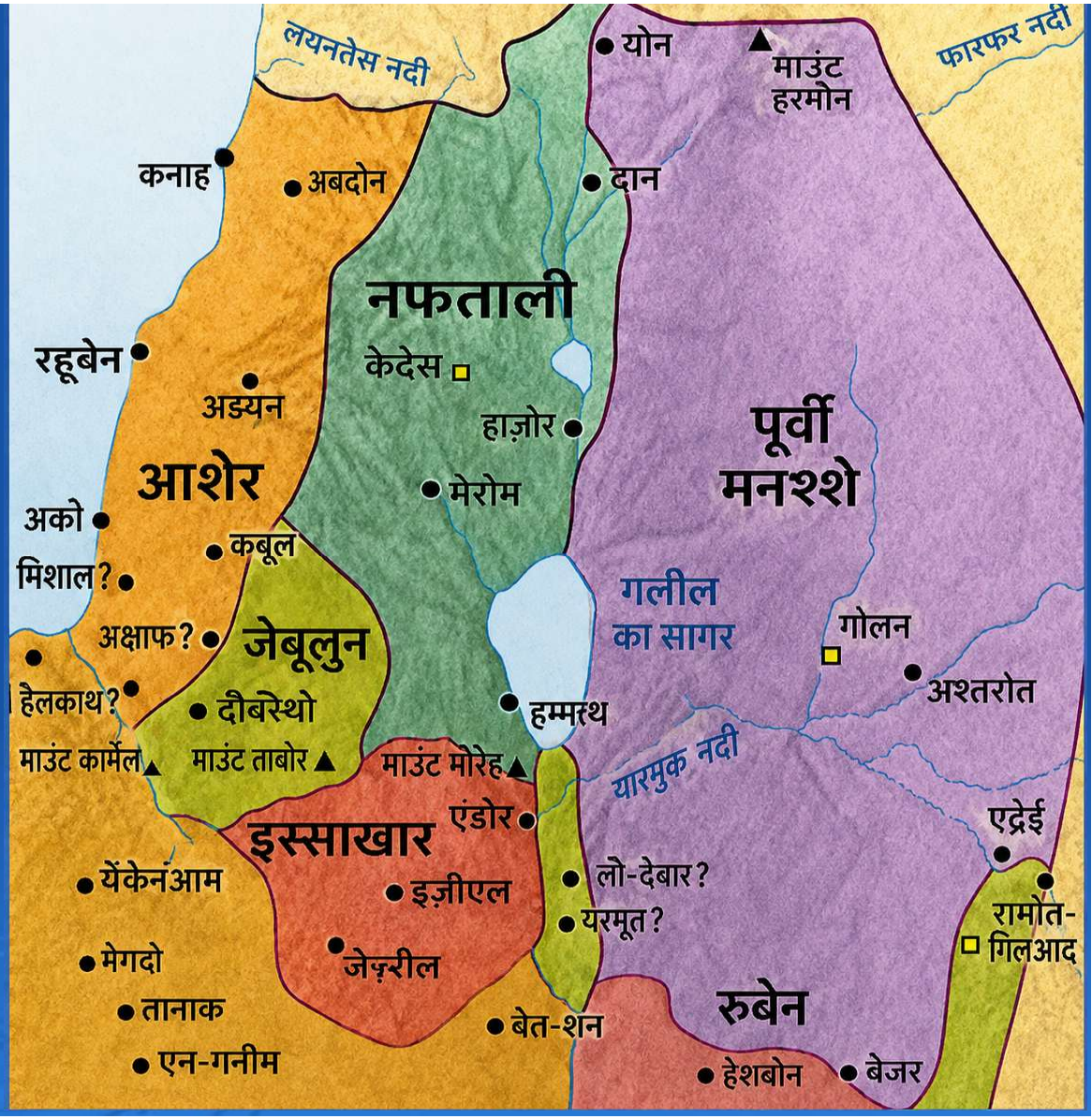

नफ्ताली

- उपपत्नी के पुत्रों में अन्तिम।
- हिंद = मादा हिरण
- सुन्दर और तेज़ प्रतिक्रिया देने वाला।
- नफ्ताली वह क्षेत्र बन गया जिसे गलील कहा जाता है।
- आशीषित क्योंकि यहीं यीशु रहा और उसने अपने शिष्यों को चुना।

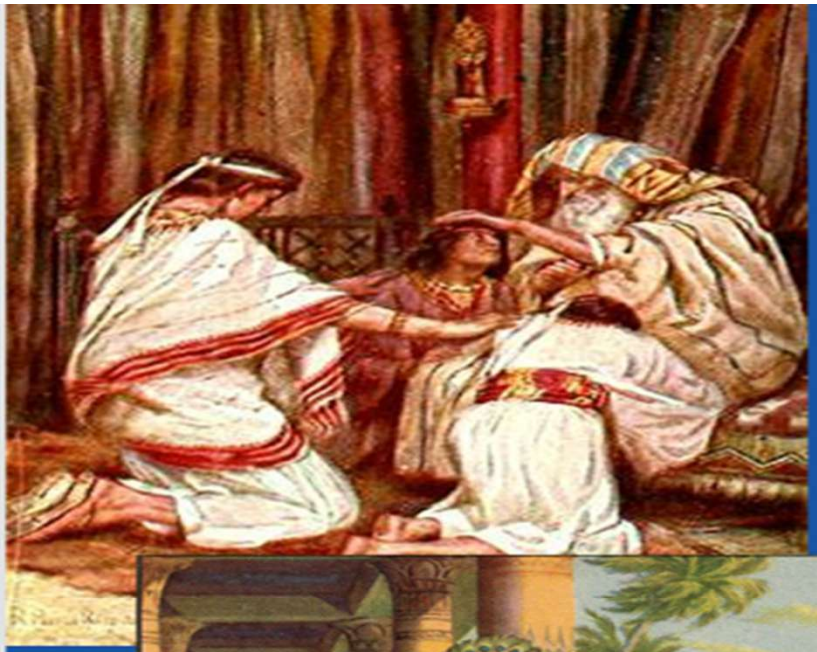

यूसुफ

- यूसुफ की आशीष उसके पुत्रों एफ्रेम और मनश्शे के द्वारा पूरी होगी।
- यूसुफ की कोई अलग बटुक नहीं रहेगी।
- फलदायी होना यूसुफ की आशीष का मुख्य बिन्दु था।
- एफ्रेम और मनश्शे मिलकर ७५,९०० थे।
- दूसरी सबसे बड़ी बटुक, यहूदा ७४,६०० था।

असीरियन निर्वासन :
एक्राइम तितर-बितर कर दिया गया